SYLLABUS

SANSKRIT PAPER 2

इकाई - 1 - काव्यशास्त्र

1.1 नाट्यशास्त्र (प्रथम द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय)

1.2 दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)

1.3 काव्यप्रकाश, काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्रविमर्श, रसदोष, काव्यगुण । अलंकार अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपहनुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, संकर, संसृष्टि ।

1.4 साहित्यदर्पण :- काव्य की परिभाषा, काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन, शब्दशक्ति संकेतग्रह, अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, रस (रस - भेद स्थायीभावों सहित, रूपक के प्रकार, नाटक के लक्षण, महाकाव्य के लक्षण।)

1.5 ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

इकाई - 2- संस्कृत साहित्य पुराण एवं अभिलेख

2.1 रामायण - रामायण का क्रम, रामायण में आख्यान, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए रामायण एक प्रेरणा-स्त्रोत, रामायण का साहित्यिक महत्त्व ।

2.2 महाभारत - महाभारत का क्रम, महाभारत में आख्यान, महाभारतकालीन समाज, परवर्ती लिए महाभारत एक प्रेरणा-स्त्रोत, महाभारत का साहित्यिक महत्त्व ।

2.3 पुराण - पुराण की परिभाषा - महापुराण एवं उपपुराण, पौराणिक सृष्टिविज्ञान, पौराणिक आख्यान ।

2.4 कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार)

2.5 स्मृति शास्त्र - मनुस्मृति (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय), याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्र)

2.6 पुरालिपि एवं अभिलेख-

- पुरालिपि– ब्राह्मीलिपि को पढ़ने का इतिहास, भारत में लेखन कला की प्राचीनता, ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धान्त, शिलालेख सम्बन्धी सामग्री के प्रकार, गुप्त एवं अशोक कालीन ब्राह्मीलिपि।
- अशोक के प्रमुख अभिले

इकाई - 3 पद्य, गद्य, नाटक और चम्पू

3.1 निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन :-

- पद्य : रघुवंश, मेघदूत, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीय चरित, बुद्ध चरित।
- गद्य : दशकुमारचरित, हर्षचरित, कादम्बरी ।
- नाटक = स्वप्नवासवदत्त, अभिज्ञानशाकुन्तल, मृच्छकटिक, उत्तररामचरित, मुद्राराक्षस, वेणीसंहार ।
- चम्पू काव्य नलचम्पू।

3.2 निम्नांकित ग्रन्थों का विशिष्ट अध्ययन

- अभिज्ञान शाकुन्तल (चतुर्थ अंक)
- रघुवंश (प्रथम तथा त्रयोदश सर्ग)
- किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग),
- शिशुपालवध (प्रथम सर्ग),
- कुमारसम्भव (पंचम सर्ग),
- कादम्बरी - (कथामुख भाग से जाबालिआश्रम पर्यन्त)

इकाई - 4- राजस्थानीय संस्कृत

राजस्थान के संस्कृत विद्वान् एवं कवि तथा उनका शास्त्रीय, साहित्यिक अवदान - पं. मधुसूदन ओझा, भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, पं. नवल किशोर कांकर, पं. दुर्गाप्रसाद द्विवेदी, पं. हरिशास्त्री दाधीच, पं. विद्याधर शास्त्री, पं. हरिद्विज, पं. जगदीशचंद्र आचार्य, पं. नित्यानंद शास्त्री, पं. श्रीराम दवे, पं. विश्वेश्वर नाथ रेऊ, पं. गणेश राम शर्मा, पं. गिरिधर व्यास शास्त्री, पं. गिरिधर शर्मा नवरत्न, पं. रामप्रताप शास्त्री, ब्रह्मानन्द शर्मा ।